

लोक दर्शन

विश्व में लखनऊ को तहजीब, नजाकत और नफासत के शहर के रूप में जाना जाता है। यहां के चिकन के कपड़े भी विश्व में अपनी अलग पहचान रखते हैं। हास्य में कहा भी जाता है कि लखनऊ एक ऐसा शहर है, जहां चिकन खाया भी जाता है और पहना भी जाता है। पहनने वाले चिकन के साथ अब खाने वाले चिकन को भी विश्व के मशहूर और स्वादिष्ट खानपान का दर्जा मिल गया है। बीते अक्टूबर यूनेस्को ने लखनऊ को 'क्रिएटिव सिटी ऑफ़ गैस्ट्रोनॉमी' अर्थात् सृजनात्मक पाक-कला का नगर घोषित किया है। यह सम्मान लखनऊ की समृद्धि, विविध और सैकड़ों वर्षों पुरानी अवध की पापक परंपरा को सम्मानित करता है। इस सूची में अब लखनऊ का नाम विश्व के प्रसिद्ध खाद्य नगरों, चीन के चेंगडू, इटली के पार्मा और मैक्सिको के पुएब्ला के साथ जुड़ गया है। भारत में सम्मान पाने वाला यह केवल दूसरा नगर है। इससे पहले हैदराबाद को यह प्रतिष्ठा मिली थी। यह मान्यता यूनेस्को क्रिएटिव सिटीज नेटवर्क (यूसीसीएन) के अंतर्गत प्रदान की जाती है। इसके अंतर्गत लखनऊ के 10 वेज और नॉनवेज व्यंजनों को इस सूची में शामिल किया गया है। आइए जानते हैं, यूनेस्को इनका चुनाव कैसे करता है। साथ ही जानते हैं, इन व्यंजनों के इतिहास और उत्पत्ति के बारे में-



डॉ. नलिमा पांडेय
प्रॉफेसर, लखनऊ विश्वविद्यालय

अवधी खानपान को मिला दुनिया का सलाम

- यूनेस्को द्वारा 'क्रिएटिव सिटी ऑफ़ गैस्ट्रोनॉमी' का चुनाव सात मुख्य उद्देश्यों के तहत किया जाता है। ये उद्देश्य 2004 में शुरू हुए 'क्रिएटिव सिटीज नेटवर्क' का हिस्सा हैं और 2030 स्टर्नेबल डेलीपर्सेट एजेंडा से सीधे जुड़े हैं। इनके अंतर्गत सांस्कृतिक विविधता को मजबूत करना, शहर की खान-पान की परंपरा को दुनिया के समक्ष प्रस्तुत करना है।
- रचनात्मक अर्थव्यवस्था को बढ़ावा- छोटे रसोइये, किसान, दुकानदार आदि को ग्लोबल बाजार उपलब्ध करवाना।
- सामाजिक समावेश- औरतें, अल्पसंख्यक, युवा को रसोई में हिस्सा।
- शहरी विकास में संस्कृति को शामिल करना- खाने से ट्रॉफिजम, जॉब्स, स्पार्ट सिटी।
- ज्ञान का आदान-प्रदान- 56 गैस्ट्रोनॉमी शहर एक-दूसरे से सीखें।
- पर्यावरण संरक्षण- लोकल सामग्री, जीरो वेस्ट और बायोडायर्सिटी।
- सतत विकास लक्ष्य- भूख खत्म, जिम्मेदार खपत।

ऐसे होता है चुनाव

जो शहर इस तमगे को हासिल करना चाहता है, उसे आवेदन करना होता है। चुनाव के बाद प्रति चौथे वर्ष पुनर्मूल्यांकन की प्रक्रिया से गुजरना होता है। इस दौड़ में लखनऊ अपनी 300 वरस पुरानी तहजीब की नितंतरता के बलवृत्ते सफलता हासिल करने में कामयाब रहा। लखनऊ की इस कामयाबी का सेहरा आभा नारायण लोंगा के सर बंधता है। लखनऊ का डासियर उन्होंने ही तैयार किया था।

डासियर: व्यजनों का यह चुनाव गंगा-जमुनी तहजीब की रवायत का हिस्सा है। आभा नारायण लोंगा ने लखनऊ को 'यूनेस्को क्रिएटिव सिटी ऑफ़ गैस्ट्रोनॉमी' बनाने के डॉसियर की मास्टर-शेफ की भूमिका निर्धारी। उनकी फॉम आभा नारायण लोंगा एसेसिंग्स ने जनवरी 2025 से जून 2025 तक 112 पेज की डॉसियर तैयार की, जिसमें 1500 रेस्टरंग, 600 स्ट्रीट वेंडर, 500 महिला हाम-शेफ की मौजूदिक कलानियों, 1000 पुरुष रेसिपी और 50 शार्ट फिल्में शामिल कीं। इस पूरी प्रक्रिया के लिए उन्होंने मुंबई से लखनऊ के कम से कम दस फेरे लगाए। चौक की गलियों से ढुड़े के तवा तक, कायस्थ धोरों की परंपरागत पूरी-कचौड़ी से नवाबी गलौटी तक, हर स्वाद को गंगा-जमुनी तहजीब का दस्तावेज बनाया, उन्होंने मनोष महेरोत्रा (ईंडियन एस्प्रेट) और मारुक कलमन की फिल्मों की जोड़कर 10 यूनेस्को व्यजनों को जीर्वत बनाया। उनकी मेहनत रंग लाइ। **31 अक्टूबर 2025 को समरकद में यूनेस्को ने लखनऊ को 70 गैस्ट्रोनॉमी शहरों में शामिल किया।**



बिरयानी: 'वन-पॉट रॉयल डिनर'

बिरयानी विश्व का सबसे पुराना 'वन-पॉट रॉयल डिनर' है, जो 3000 साल पहले ईरान की रेत में जमा, अलेक्जेंडर की सेंसों के साथ थाना पहुंचा, अब व्यापी इसे भारत लाए, मुगल बास्तवों के खानपानों में इसके साथ खाना लाए। इसके अंतर्गत प्रदान की जाती है। इसके अंतर्गत लखनऊ के 10 वेज और नॉनवेज व्यंजनों को इस सूची में शामिल किया गया है। आइए जानते हैं, यूनेस्को इनका चुनाव कैसे करता है। साथ ही जानते हैं, इन व्यंजनों के इतिहास और उत्पत्ति के बारे में-



मलाई पान गिलोरी

नवाबी दौर से चली आ रही लखनवी मलाई गिलोरी वो स्वाद है, जो लखनऊ की रैनक और सौंदर्य की दीलत को एक साथ परोसता है। इसकी तासरंग मलाई और दूध की एक पतली चादर में मिश्री, गुलाब जल और मेवों का उपयोग आम था, जो शीरमल में भी देखो को मिलता है। भारत में आने के बाद शीरमल ने स्थानीय व्यंजनों के साथ तात्परता बढ़ाया। इसका रखाड़ मीठा व नमकीन दोनों तरह की होता है। खासीतर पर लखांऊ, हैदराबाद और औरंगाबाद जैसे जगहों से यह रोटी लोकप्रिय हो गई। लखनऊ में अवधी व्यंजनों के साथ इसका विशेष स्थान है, जहां इसे शाही भोजन के रूप में परोसा जाता है। शीरमल की अवधर उत्सवों, शादियों और विशेष अवसरों पर बनाया जाता है। यह मुलाई और अवधी संस्कृति का प्रतीक माना जाता है।



मलाई मक्क्यन

मलाई मक्क्यन इसका शाब्दिक अर्थ कीम बटर होता है, तेकिन इसमें दोनों में से कुछ भी नहीं होता। इसकी तैयारी एक दिन घंटे लगते हैं। इसकी उत्पत्ति के लिए रानवर प्रथा से हुई है, जो दूध को खराब होने से बचाने के लिए रानवर खुले आसमान के नीचे छोड़ देते थे। सुबह तक औस तीव्र धूंध की विविधता को बढ़ावा देते थे। फिर इस ज्ञानदार दूध की चौंकी मिलाकर मीठा किया जाता था, जिससे यह एक स्वादिष्ट व्यंजन बन जाता था, जो समय के साथ नाश्त के लिए लोकप्रिय बन जाता था, जो एक लोकप्रिय व्यंजन बन जाता था। यह मिटाई उत्तर प्रदेश के कई हिस्सों में विशेष रूप से कानपुर, वाराणसी, लखनऊ और बिहार के कुछ हिस्सों में तैयार की जाती है।

लोकप्रिय रोटी शीरमल

शीरमल की उत्पत्ति ईरान में मानी जाती है, जहां इसे पारंपरिक रूप से बनाया जाता था। मुगल काल में यह राई और यहाँ और यहाँ और यहाँ का हिस्सा बन गई। मुगल खानपान में दूध, कैरेप और मेवों का उपयोग आम था, जो शीरमल में भी देखो को मिलता है। भारत में आने के बाद शीरमल ने स्थानीय व्यंजनों के साथ तात्परता बढ़ाया। इसका रखाड़ मीठा व नमकीन दोनों तरह की होता है। खासीतर पर लखांऊ, हैदराबाद और औरंगाबाद जैसे जगहों से यह रोटी लोकप्रिय हो गई। लखनऊ में अवधी व्यंजनों के साथ इसका विशेष स्थान है, जहां इसे शाही भोजन के रूप में परोसा जाता है। शीरमल की अवधर उत्सवों, शादियों और विशेष अवसरों पर बनाया जाता है। यह मुलाई और अवधी संस्कृति का प्रतीक माना जाता है।



कटोरी चाट

कटोरी चाट की उत्पत्ति के संबंधत 'कटोरो' या 'कटोरी' शब्द से हुई है, जो सातवीं शताब्दी के एक जैन ग्रंथ में पर्याप्त गवरा तहा हुआ भव्य है। यह 'कटोरी' की अवधारणा से भी जुड़ा है, जो दाल से भी एक तरह हुई पूँडी है। इस दाल से भी एक तरह हुई रोटी है। इस दाल से भी एक तरह हुई रोटी की शुरुआत जलवाया ने तेल हुई और धूंधित खाद्य पदार्थों को व्याहारिक बना दिया। मारवाड़ी समुदाय को अपने धूंधित व्याहारिकों के लिए इसका आवश्यकर करने वाला था। इसका विशेष स्थान है, जहां इसे जानवर के रूप में परोसा जाता है। अमरीनी पर यह रोटी की शुरुआत की तरह हुई रोटी की अवधारणा इसे बनाया जाता है। यह एक मासांश बनाया जाता है। अमरीनी पर यह रोटी की शुरुआत की तरह हुई रोटी की अवधारणा इसे बनाया जाता है।



ये व्यंजन हुए थानिल

यूनेस्को ने लखनऊ के 10 चुने हुए व्यंजनों में से 4 नॉन-वेज शामिल किया, जिसमें गलौटी कबाब, काकोरी कबाब, अवधी बिरयानी और निहारी-कुलचा, जो नवाबी काल की जायके की तासीर लिए हुए हैं। इसके अलावा 6 व्यंजन बेज प्लेटर से हुए गए, जिसमें टोकरी चाट, पूरी-कचौड़ी, शीरमल, मलाई गिलौरी, मक्क्यन मलाई और मातीचूर लड्डू हैं।

व्यजनों का इतिहास

दिल्ली के दिल्लीरेख शहर लखनऊ के सूखे भूस्तोको तक कम्बाबी का झाड़ा गाड़ने वाले इन 10 व्यंजनों की इतिहास रोचक रहा है। पहले बात कबाब की, जो गेस्ट्रोनॉमी की सूखी जलता-ए-आफ़रोज़ है। कबाब शब्द के लिए पुरात पुनरावृत्ति है।

कबाब- कबाब को कर्ते हुए मास के रूप में पर्याप्त किया गया है, जो या तो कड़ी में तोता जाता है या आग पर भुना जाता है। समय के साथ खाना पकाने की यह शैली मुश्तम प्रभाव के साथ-साथ दुनियापर में फैल

भारत में हर तीसरा व्यक्ति उच्च रक्तचाप से पीड़ित है और कई बार यह बिना चेतावनी अचानक ही बढ़ जाता है। यह स्थिति न केवल बैद्यनी और धबराहट पैदा करती है, बल्कि दिल, किडनी और मस्तिष्क पर भी विपरीत प्रभाव डाल सकती है, लेकिन यदि समय पर धरेल और आयुर्वेदिक उपाय अपनाएं जाएं, तो इस स्थिति को बिना किसी दग्ध के काफी नियंत्रित किया जा सकता है। अचानक बीपी बढ़ना केवल एक संख्या का बढ़ना नहीं है, बल्कि मस्तिष्क, हृदय, गुर्दे और आंखों की रक्तवाहिनियों पर तत्काल दबाव बढ़ जाना है। इसलिए समय पर पहचान और सही कदम बहुत जरूरी हैं।

क्या है उच्च रक्तचाप

आयुर्वेद में रक्तचाप असंतुलन को 'रक्तगत वात' और 'उर्ध्वधार वायु' से जोड़ा गया है। यह स्थिति तब उत्पन्न होती है, जब वात दोष अधिक चक्रिया हो जाता है और रक्त की धर्मनियों में दबाव बनाता है। अचानक बीपी बढ़ने के पीछे एक कारण नहीं, बल्कि कई शारीरिक, मानसिक और जीवनशैली से जुड़े कारण जिम्मेदार होते हैं।



अचानक बढ़े बीपी धबराहट नहीं

अपनाएं आयुर्वेदिक उपाय

नींद की कड़ी और अनियंत्रित दिनचर्या



दर्द, बुखार या संक्रमण

शरीर को पर्याप्त नींद नहीं मिलती, तो रक्तचाप नियंत्रित रखने वाले हार्मोन असंतुलित हो जाते हैं। लगातार दर तक जगना या रात्रि-शिवाय का काम बीपी को अचानक बढ़ा सकता है।

किडनी और धार्यांड़ की समस्याएं

यदि व्यक्ति को पहले से किडनी रोग है, तो बीपी का अचानक बढ़ जाना सामान्य है, याकें किडनी रक्तचाप को नियंत्रित रखने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाती है। इसी प्रकार थायरोइड हार्मोन का असंतुलन भी बीपी में तेज बदलवा ला सकता है।

दर्द, बुखार या संक्रमण

तेज दर्द—जाह माइग्रेन हो, दात दर्द हो या शरीर का कोई अच्यूत बीपी बढ़ता है। कई संक्रमण और बुखार भी शरीर की अतिरिक्त प्रतिक्रिया के कारण बीपी को बढ़ा सकते हैं।

किडनी और धार्यांड़ की समस्याएं

■ सिर में तेज दर्द (विशेषकर पीछे की तरफ)
■ धबकर आना
■ धड़कन तेज होना
■ धबराहट या बैरेनी
■ सांस लेने में कठिनाई
■ आंखों के आगे धुलापन
■ बेहरा लाल होना
■ उत्ती जैसा महसूस होना
■ कानों में आवाज (रिंगिंग)
■ गंगीर लक्षण
■ बोलने में दिक्कत
■ एक तरफ कमजोरी या सुन्नपन
■ सीने में दर्द
■ अचानक बेहोशी
ये लक्षण ब्रेन स्ट्रोक का याहर्ट अटैक का संकेत हो सकते हैं।



दगड़ों की अनियंत्रितता

हाइ बीपी की दवा समय पर न लेने या डोज मिस करने से बीपी तेजी से बढ़ सकती है। इसके अलावा टेरोइड, पेनिक्लर, एलर्जी की कुछ दवाएं और गर्भांत्रिक गोलियां भी बीपी बढ़ा सकती हैं।

बीपी के लक्षण-कैसे पहचानें

अचानक बीपी बढ़ने पर शरीर कई संकेत देता है, जिन पर ध्यान देना बहुत जरूरी है।

सामान्य लक्षण

■ सिर में तेज दर्द (विशेषकर पीछे की तरफ)
■ धबकर आना

■ धड़कन तेज होना
■ धबराहट या बैरेनी
■ सांस लेने में कठिनाई

■ आंखों के आगे धुलापन
■ बेहरा लाल होना
■ उत्ती जैसा महसूस होना
■ कानों में आवाज (रिंगिंग)

गंगीर लक्षण

■ बोलने में दिक्कत
■ एक तरफ कमजोरी या सुन्नपन
■ सीने में दर्द

■ अचानक बेहोशी
ये लक्षण ब्रेन स्ट्रोक का याहर्ट अटैक का संकेत हो सकते हैं।

कितना खतरनाक है अचानक बढ़ा बीपी

उच्च रक्तचाप जब अचानक बढ़ता है, तो शरीर की छोटी-बीपी रक्तवाहिनी के साथ जैसे बैटा की सलाह होती है।

■ लाभ: यह उच्च बीपी को धबकर करता है और दिल को ठंडक देता है।

■ विधि: एक मिलाया उत्तम नियंत्रित पानी पीए। लाभ: यह शरीर को शीतलता देता है, इलेक्ट्रोलाइट बैलेंस करता है और बीपी को जल्दी शांत करता है।

■ विधि: नाक से गहरा सांस ले, जैव को बाल करना निकालकर शीतली प्राणायाम करें। लाभ: इससे नासों का तनाव कम होता है, बीपी रिस्ट होता है।

■ विधि: एक मिलाया उत्तम नियंत्रित पानी पीए। लाभ: यह शरीर को शीतलता देता है, इलेक्ट्रोलाइट बैलेंस करता है और बीपी को जल्दी शांत करता है।

■ विधि: एक मिलाया उत्तम नियंत्रित पानी पीए। लाभ: यह शरीर को शीतलता देता है, इलेक्ट्रोलाइट बैलेंस करता है और बीपी को जल्दी शांत करता है।

■ विधि: एक मिलाया उत्तम नियंत्रित पानी पीए। लाभ: यह शरीर को शीतलता देता है, इलेक्ट्रोलाइट बैलेंस करता है और बीपी को जल्दी शांत करता है।

■ विधि: एक मिलाया उत्तम नियंत्रित पानी पीए। लाभ: यह शरीर को शीतलता देता है, इलेक्ट्रोलाइट बैलेंस करता है और बीपी को जल्दी शांत करता है।

■ विधि: एक मिलाया उत्तम नियंत्रित पानी पीए। लाभ: यह शरीर को शीतलता देता है, इलेक्ट्रोलाइट बैलेंस करता है और बीपी को जल्दी शांत करता है।

■ विधि: एक मिलाया उत्तम नियंत्रित पानी पीए। लाभ: यह शरीर को शीतलता देता है, इलेक्ट्रोलाइट बैलेंस करता है और बीपी को जल्दी शांत करता है।

■ विधि: एक मिलाया उत्तम नियंत्रित पानी पीए। लाभ: यह शरीर को शीतलता देता है, इलेक्ट्रोलाइट बैलेंस करता है और बीपी को जल्दी शांत करता है।

■ विधि: एक मिलाया उत्तम नियंत्रित पानी पीए। लाभ: यह शरीर को शीतलता देता है, इलेक्ट्रोलाइट बैलेंस करता है और बीपी को जल्दी शांत करता है।

■ विधि: एक मिलाया उत्तम नियंत्रित पानी पीए। लाभ: यह शरीर को शीतलता देता है, इलेक्ट्रोलाइट बैलेंस करता है और बीपी को जल्दी शांत करता है।

■ विधि: एक मिलाया उत्तम नियंत्रित पानी पीए। लाभ: यह शरीर को शीतलता देता है, इलेक्ट्रोलाइट बैलेंस करता है और बीपी को जल्दी शांत करता है।

■ विधि: एक मिलाया उत्तम नियंत्रित पानी पीए। लाभ: यह शरीर को शीतलता देता है, इलेक्ट्रोलाइट बैलेंस करता है और बीपी को जल्दी शांत करता है।

■ विधि: एक मिलाया उत्तम नियंत्रित पानी पीए। लाभ: यह शरीर को शीतलता देता है, इलेक्ट्रोलाइट बैलेंस करता है और बीपी को जल्दी शांत करता है।

■ विधि: एक मिलाया उत्तम नियंत्रित पानी पीए। लाभ: यह शरीर को शीतलता देता है, इलेक्ट्रोलाइट बैलेंस करता है और बीपी को जल्दी शांत करता है।

■ विधि: एक मिलाया उत्तम नियंत्रित पानी पीए। लाभ: यह शरीर को शीतलता देता है, इलेक्ट्रोलाइट बैलेंस करता है और बीपी को जल्दी शांत करता है।

■ विधि: एक मिलाया उत्तम नियंत्रित पानी पीए। लाभ: यह शरीर को शीतलता देता है, इलेक्ट्रोलाइट बैलेंस करता है और बीपी को जल्दी शांत करता है।

■ विधि: एक मिलाया उत्तम नियंत्रित पानी पीए। लाभ: यह शरीर को शीतलता देता है, इलेक्ट्रोलाइट बैलेंस करता है और बीपी को जल्दी शांत करता है।

■ विधि: एक मिलाया उत्तम नियंत्रित पानी पीए। लाभ: यह शरीर को शीतलता देता है, इलेक्ट्रोलाइट बैलेंस करता है और बीपी को जल्दी शांत करता है।

■ विधि: एक मिलाया उत्तम नियंत्रित पानी पीए। लाभ: यह शरीर को शीतलता देता है, इलेक्ट्रोलाइट बैलेंस करता है और बीपी को जल्दी शांत करता है।

■ विधि: एक मिलाया उत्तम नियंत्रित पानी पीए। लाभ: यह शरीर को शीतलता देता है, इलेक्ट्रोलाइट बैलेंस करता है और बीपी को जल्दी शांत करता है।

■ विधि: एक मिलाया उत्तम नियंत्रित पानी पीए। लाभ: यह शरीर को शीतलता देता है, इलेक्ट्रोलाइट बैलेंस करता है और बीपी को जल्दी शांत करता है।

■ विधि: एक मिलाया उत्तम नियंत्रित पानी पीए। लाभ: यह शरीर को शीतलता देता है, इलेक्ट्रोलाइट बैलेंस करता है और बीपी को जल्दी शांत करता है।

■ विधि: एक मिलाया उत्तम नियंत्रित पानी पीए। लाभ: यह शरीर को शीतलता देता है, इलेक्ट्रोलाइट बैलेंस करता है और बीपी को जल्दी शांत करता है।

■ विधि: एक मिलाया उत्तम नियंत्रित पानी पीए। लाभ: यह शरीर को शीतलता देता है, इलेक्ट्रोलाइट बैल

मृत संसार

कहानी

पागल

पने आगे-आगे भाग रहे कुत्ते के करीब पहुंचकर उसने बेहद धातक अंदाज में लोहे की राड से तीन वार किए। एक के बाद एक, बिना समय गवाए।

तीसरे प्रहार में कुत्ता निडाल हो सड़क पर लुढ़क गया। उसका पूरा जबड़ा फटकर एक और लटक गया, जिससे रक्त का फैलावा सा फूट पड़ा। कुछ क्षण की छटपटाहट के बाद उसका शरीर शांत पड़ गया था। कुत्ता मर चुका था। एक इंसान द्वारा सरेह अंजाम दी गई इस दुसाहितका बारदात को देख आसपास के लोग उस जगह इकट्ठे हो गए थे। उस भीड़ में एक शख्स ने दसरे से पूछा, “भई, ऐसी क्या बात हुई, इस तरह कुत्ते को मर डाला?”

“पागल था, किसी को काट लेता था!” दूसरे शख्स ने जानकारी दी। उसके कहने का भाव कुछ ऐसा एक कुत्ते ने अप्रत्याशित फुर्ती से अपने पूरे समुदाय में घटाना को जंगल की आग की तरह फैलाया। आखिर अंदालन करने पर आम अदमियों का ही एकधिकार ताम कुत्तों की एक आपातकालीन बैठक हुई।

“भाईयों, इंसानों ने हमारी वफादारी को एक बार फिर शर्मशार किया है। हमारे एक भाई को सरेहांश देते हुए उसके समर्थन में कई प्रतिक्रिया दी, जिस पर किसी ने जरा भी तवज्ज्ञ नहीं दी। बेचारे शर्मशार किया है। हमारे एक भाई को सरेहांश पीटकर मार डाला।”

“यदि सरकार ने इस दिशा में समय रहते थान न दिया, तो वो दिन नहीं, जब पागल कुत्ते हम इंसानों का सड़क चलना दूर कर देंगे।” एक बुद्धिजीवी अधेद व्यक्ति ने अपनी भीतर की असुरक्षा को उत्तरापिता किया।

“अरे छोड़ो यार, हर बात में सरकार-सरकार की रट लगाने से कोई फायदा नहीं। इनके साथ बस ऐसे ही आन द स्पात निपटा जाना चाहिए, तभी ये साले सुधरेंगे।” बुलेट सवार एक लफांगे से दिख



प्रदीप मिश्र
बलरामपुर

रहे युक्त ने सबको सुनाकर कुंचे स्वर में कहा। उसके समर्थन में कई प्लिं हिले थे। फिर थोड़ी देर में लोग तिर-वितर होने लगे। सड़क पर आम आदमीयों के लोहे की तरह बहुत देर चौक-चौराहों पर हम तो रही, लेकिन उस कस्बेनामा शहर में दिन दहाड़े घटित इस नुशंस हत्या के गवाह रहे

होते समय मंदिर-मजार की कब परवाह की है, पर इसकी इतनी निर्वाम सजा।” भूरे रंग वाले दुबले-पतले प्रोड कुत्ते ने अपना अनुमान व्यक्त किया। “भाईयों! ये की सीधी एक बात, हमारी निष्क्रियता ने हमें ये दिन दिखाया है। इंसानों को तज धर हमारे पास ‘कुत्ताधिका आयोग’ भी तो नहीं है, जहां हम अपने साथ हुई ज्यादातर की गुहार करते। इंसानों को समझने में हमने बहुत देर कर दी। अब बग रासा शेष है, अपनी तक हर चौक-चौराहों पर हम आपस में ही लड़ते रहे हैं, लेकिन अब हमें एक जुट होकर दृष्ट इंसानों शवित्रों से लड़ने की आवश्यकता है।” खूंखार भेड़िए से दिख रहे कुत्ते ने आजव्यक्ति स्वर में अपनी बात रखी।

कल मैंने एक बड़ी सी कार में एक गोरी मेम साहब की गोंद में बैठकर अपने एक भाई की फर्रिटा देने देखा है। कसम से, उसे देखकर दिल खुश हो गया।

एक दिन से “एक किशोरवय कुत्ते ने चहक कर कहा।”

प्रिय पाटकों, इंसान और कुत्तों के बीच के इस बेद जटिल होते जा रहे संवेदनशील मुद्रे पर आपको ही अब निर्वर्ष तक पहुंचना है। तमाम गवाहों और सबूतों के मद्देनजर एक दरवाजा “घटना का चश्मदीर रहा। तो रुप और पीड़ियों से भरकर बोला।”

“हमारे भाई को सरेहांश दौड़ा-दौड़ा कर कल्प कर दिया गया, हम सबको इसका बहुत दुख है, पर उससे भी ज्यादा अफसोस इस बात का है कि हमारे भाई को मारने के बाद इंसानों ने पागल करार दे दिया। वह किसी इंसान पर हमलावर होता, तो हम मान भी लेते, पर वह बेचारा तो जान बचाकर भाग रहा था। यदि वह पागल था, तो उसे मारने हाथ में राड लेकर दौड़ रहा इंसान हाश में था क्या? वह री इंसान बहुत अपने भाई को पल भर में दोषमुक्त कर हमारे भाई को पागल कर दे दिया।” घटना का चश्मदीर रहा। तो रुप और पीड़ियों से भरकर बोला।

“हमारे भाई को सरेहांश दौड़ा-दौड़ा कर कल्प कर दिया गया, हम सबको इसका बहुत दुख है, पर उससे भी ज्यादा अफसोस इस बात का है कि हमारे भाई को मारने के बाद इंसानों ने पागल करार दे दिया। वह किसी इंसान पर हमलावर होता, तो हम मान भी लेते, पर वह बेचारा तो जान बचाकर भाग रहा था। यदि वह पागल था, तो उसे मारने हाथ में राड लेकर दौड़ रहा इंसान हाश में था क्या? वह री इंसान बहुत अपने भाई को पल भर में दोषमुक्त कर हमारे भाई को पागल कर दे दिया।” घटना का चश्मदीर रहा। तो रुप और पीड़ियों से भरकर बोला।

“हमारे भाई को सरेहांश दौड़ा-दौड़ा कर कल्प कर दिया गया, हम सबको इसका बहुत दुख है, पर उससे भी ज्यादा अफसोस इस बात का है कि हमारे भाई को मारने के बाद इंसानों ने पागल करार दे दिया। वह किसी इंसान पर हमलावर होता, तो हम मान भी लेते, पर वह बेचारा तो जान बचाकर भाग रहा था। यदि वह पागल था, तो उसे मारने हाथ में राड लेकर दौड़ रहा इंसान हाश में था क्या? वह री इंसान बहुत अपने भाई को पल भर में दोषमुक्त कर हमारे भाई को पागल कर दे दिया।” घटना का चश्मदीर रहा। तो रुप और पीड़ियों से भरकर बोला।

“हमारे भाई को सरेहांश दौड़ा-दौड़ा कर कल्प कर दिया गया, हम सबको इसका बहुत दुख है, पर उससे भी ज्यादा अफसोस इस बात का है कि हमारे भाई को मारने के बाद इंसानों ने पागल करार दे दिया। वह किसी इंसान पर हमलावर होता, तो हम मान भी लेते, पर वह बेचारा तो जान बचाकर भाग रहा था। यदि वह पागल था, तो उसे मारने हाथ में राड लेकर दौड़ रहा इंसान हाश में था क्या? वह री इंसान बहुत अपने भाई को पल भर में दोषमुक्त कर हमारे भाई को पागल कर दे दिया।” घटना का चश्मदीर रहा। तो रुप और पीड़ियों से भरकर बोला।

“हमारे भाई को सरेहांश दौड़ा-दौड़ा कर कल्प कर दिया गया, हम सबको इसका बहुत दुख है, पर उससे भी ज्यादा अफसोस इस बात का है कि हमारे भाई को मारने के बाद इंसानों ने पागल करार दे दिया। वह किसी इंसान पर हमलावर होता, तो हम मान भी लेते, पर वह बेचारा तो जान बचाकर भाग रहा था। यदि वह पागल था, तो उसे मारने हाथ में राड लेकर दौड़ रहा इंसान हाश में था क्या? वह री इंसान बहुत अपने भाई को पल भर में दोषमुक्त कर हमारे भाई को पागल कर दे दिया।” घटना का चश्मदीर रहा। तो रुप और पीड़ियों से भरकर बोला।

“हमारे भाई को सरेहांश दौड़ा-दौड़ा कर कल्प कर दिया गया, हम सबको इसका बहुत दुख है, पर उससे भी ज्यादा अफसोस इस बात का है कि हमारे भाई को मारने के बाद इंसानों ने पागल करार दे दिया। वह किसी इंसान पर हमलावर होता, तो हम मान भी लेते, पर वह बेचारा तो जान बचाकर भाग रहा था। यदि वह पागल था, तो उसे मारने हाथ में राड लेकर दौड़ रहा इंसान हाश में था क्या? वह री इंसान बहुत अपने भाई को पल भर में दोषमुक्त कर हमारे भाई को पागल कर दे दिया।” घटना का चश्मदीर रहा। तो रुप और पीड़ियों से भरकर बोला।

“हमारे भाई को सरेहांश दौड़ा-दौड़ा कर कल्प कर दिया गया, हम सबको इसका बहुत दुख है, पर उससे भी ज्यादा अफसोस इस बात का है कि हमारे भाई को मारने के बाद इंसानों ने पागल करार दे दिया। वह किसी इंसान पर हमलावर होता, तो हम मान भी लेते, पर वह बेचारा तो जान बचाकर भाग रहा था। यदि वह पागल था, तो उसे मारने हाथ में राड लेकर दौड़ रहा इंसान हाश में था क्या? वह री इंसान बहुत अपने भाई को पल भर में दोषमुक्त कर हमारे भाई को पागल कर दे दिया।” घटना का चश्मदीर रहा। तो रुप और पीड़ियों से भरकर बोला।

“हमारे भाई को सरेहांश दौड़ा-दौड़ा कर कल्प कर दिया गया, हम सबको इसका बहुत दुख है, पर उससे भी ज्यादा अफसोस इस बात का है कि हमारे भाई को मारने के बाद इंसानों ने पागल करार दे दिया। वह किसी इंसान पर हमलावर होता, तो हम मान भी लेते, पर वह बेचारा तो जान बचाकर भाग रहा था। यदि वह पागल था, तो उसे मारने हाथ में राड लेकर दौड़ रहा इंसान हाश में था क्या? वह री इंसान बहुत अपने भाई को पल भर में दोषमुक्त कर हमारे भाई को पागल कर दे दिया।” घटना का चश्मदीर रहा। तो रुप और पीड़ियों से भरकर बोला।

“हमारे भाई को सरेहांश दौड़ा-दौड़ा कर कल्प कर दिया गया, हम सबको इसका बहुत दुख है, पर उससे भी ज्यादा अफसोस इस बात का है कि हमारे भाई को मारने के बाद इंसानों ने पागल करार दे दिया। वह किसी इंसान पर हमलावर होता, तो हम मान भी लेते, पर वह बेचारा तो जान बचाकर भाग रहा था। यदि वह पागल था, तो उसे मारने हाथ में राड लेकर दौड़ रहा इंसान हाश में था क्या? वह री इंसान बहुत अपने भाई को पल भर में दोषमुक्त कर हमारे भाई को पागल कर दे दिया।” घटना का चश्मदीर रहा। तो रुप और पीड़ियों से भरकर बोला।

“हमारे भाई को सरेहांश दौड़ा-दौड़ा कर कल्प कर दिया गया, हम सबको इसका बहुत दुख है, पर उससे भी ज्यादा अफसोस इस बात का है कि हमारे भाई को मारने के बाद इंसानों ने पागल करार दे दिया। वह किसी इंसान पर हमलावर होता, तो हम मान भी लेते, पर वह बेचारा तो जान बचाकर भाग रहा था। यदि वह पागल था, तो उसे मारने हाथ में राड लेकर दौड़ रहा इंसान हाश में था क्या? वह री इंसान बहुत

